

DPN 6474

१) सरवा: पाया सफु SAKHVA PA YA SAPHU
२) महादिप द्योयकेया विधि MAHA DIPA CHDYAKEYA VIDHI

Title :

Run. No. 7199

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Mantion in Sanskrit, Nepali direction
मन्त्र लिखित, नेपालमा, विभिन्न
ठिडेर लु /

Size in cms. 21.2 x 7

Folios 18

Lines (in a page) 6/23

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor मणिचन्द्र वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 713

Ruler / place Manus Candan Vajracarya.

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

श्रीश्रीश्री स्वर्गसु शंखपाया दयके विधान ॥
अं शंखादिपजी सहदेव संधे : इमं च गृहं तु वालं विशुद्धा : अग्रे जं कोने (?)

0 cmts.

5

10

15

20

~~महति श्रुत्वा विद्वद्भ्यः आप पाति वायु धत्तादीपश्च २. ...~~

महादेव दोयकेमा विधि ॥

समाप्ति / ^{Post} Colophon

स्वामि सान्ति पुरीयाल विधि जुरो ॥ धुम ॥

श्रेयोऽस्तु सम्मत ७१३ मारीसिन् मासे ॥ शुक्ल पक्षे अष्टम्यायां । विष्णोऽन्ता मृदु तक्षत्रे
शुक्ल कर्करे ॥ राजादीप ॥ श्रीश्री सिक्किन्ऽ. इत्येव विजय राज्ञ ॥ इदं संपूर्ण निगदित
श्रीश्री सिक्किन् मुनि महामुल विहावास्वित्त यपालापि दे महापत्र गुरु वज्राचार्य
मारीचन्द्रेण लिखित संपूर्ण इति ॥

सिद्धिदायक

५०

[illegible]

३५५६ ३५५७

३५४

२५०३

श्रीगणेशाय नमः

१॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णुसहस्रनाम

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

६ स्वानवाय २६ दीवाभुग

२ निमना २

[illegible]

84
 84
 84

५॥

五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२ भा ३

३३५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

१५७

ॐ॥ उँ॥ सर्वेभ्यः धृजदश दिः श्रावकाः नंद गगन समुद्र मध्यकदयसन यम
 माता ३॥ मीठलं यमयवागर्गन समायत्य श्रवस्त्रिणा धर्मोधातु ममनशजला
 ज्ञानो मधातुययवमानाः सर्वेभ्यः धृजदशदि श्रावकाः नंद मीध कदयसनग
 गन समाः सर्वलाकयालाः सर्वेभ्यः त्वाथ गद्यथा वजायध मायावजा वजानल
 वजावाल वजावाकस नागवजा वजासिनिल वजरेवव वजागोष्ठ काध
 वजा कूठलि वजायग मोनवजा येमचिरे यथीवी देवगां सयविना

वाः ॥ ॐ॥ मंयूषा धृयदीयगन्त्र नुवायादि संयुगवत्ययहाज यनीच्छा यरुद्र म
 मदिरण मूत्रल धनधान्या यथाविनाशोक्त मसूखायदानवाः सर्वविद्य विनाय
 कान् सर्वइष्ट प्रदक्षानां मनूयान् मनूयान् ॐ गय नैरयः वैधय विश्वं सयः
 ॐ तिर्दं गा नव यावत्सममवेत्तानां दिवण मूत्रल धनधान्या यथाविनाशोक्त
 मन्त्रानि महासूखयदृष्टय यावदावापि मीठ यथे गैरा कय सत्माहायजं शां
 दिवदा कूरुः कूरुः सर्वइष्ट मूद्रायनं उ कशांतिवदा कूरुत्वाहा ॥

दानवति

ॐ ॐ श्रुतिवडी सददवसीधः ॐ मंत्रगुरु उन्नलिंविशुद्ध अमृमभान
 शुक्तिरूपविश्रु आय यतिवायूधनाधियश्रु ॐ शानिरुगाधियनिश्रुदनाः उद्ध
 मयद्वाक्के विनामदश्रु दनासमसा उदययनागा धराधवा गुच्छगालासम
 गा यतिः यतिरुधवा निवेदययः स्वकाः स्वकाः श्रु वदिशासुरुता गृद्ध उरु
 श्राः मरुलासमेन्याः मयूधमीजीः स्वजनसमगा धूर्यवर्लिय यनैवयनय
 उज्जुजिद्यु उविन उयेंदं ॐ दयवामी मरुलैरगं उ ॥ ॥

ज्ञानयति

ॐ वडा मदा ॐ द्वात्वाट रुववाय अमिममल यनसुयाग गृद्धरुदसाय अ
 मृनकं उलि सुखखादि २ गिष्व २ वं ४ २ रुन २ दद २ गऊ २ विश्वाटय २ मदागणय
 ॥ ॐ अविगाग वीलाय ॐ ॐ रुद्र रुद्र स्वाहा ॥ ॥ ॐ उवक रुद्र मगीनवा ॥
 यवने कणुय गुच्छगामया श्रु यथा दयं शुभागाय विगायनः राजने सुव
 गत रुमी मानगाय विमयनः रुद्रवूड मदावूड देवदरु समागत रुद्र
 कजाल गीरुत्मी नंदगीन विनायकः वामूछा योव वीरुत्मी उमादेवी उ

ज्ञानयति ४

मंजुवा अयाधु दीजया येन अजिना अयवाजिना रुड कीली मद्रावाली
 कुलवाबीरु यागिनी ॐ डीखुडी धात्री दंडी लंबका छिद गंधवी कांवडी
 दीपि योगिनी ग्रामावस्थित आगिनी धालवुया मद्रावुया दंडवुया कायालि
 नी कायावमाल मालिनी खडागाय मद्राडिका खड्डरुका यवगुरुका वज
 दसा धनूतथा यवजकिनी मद्रातत्र सर्वकामानुसा सनी यागमंडिल
 मद्रालागी वड्डध्वनी यवुतथा तथागनी महोली निर्वजन यागसृष्टि
 को

गा ॐ दंडवड्डध्वनी आगन आवाधु सर्वविद्य विनायवाना ॐ काव
 वव वधन खरव खादन दानयन अमुकासा शान्ति यष्टि कुरु दंड
 दंड ॐ उः स्वाहा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 १ डंडा मूवन वड्ड अंगमिद्धा नानासूत्रका कटयगनाथ गधवेयका यद
 नाथ यष्टि यकाविकु रू मोनिवस तिदिया ॥ नासूयुजानु यथीगल हं दंड
 अलिबि गाययामिना ॥ मयुज दान मद्र रू त्यसंधि ॥ अंता ॐ दामु अन

10

यदार्थं यमवृथ नितसंतितुमो ॥ अनंदनय वसुचालयश्च ॥ ऊथादयानि
 ॥ वविमंदि नव नग वं यमवं ॥ वर्थतसंति ॥ सविभू सव ॥ वसंगमिं व ॥ वला
 लयचा ॥ यिकता विवासा ॥ नायागदाग ॥ वचयलवव ॥ वृथ वृद ॥ मरुद
 धिव ॥ अग्रामद्योय ॥ वृचनिमय ॥ दवादिनाशा ॥ मजवानन ॥ व ॥ मीन्या
 लयद ॥ वृगृद वृनव ॥ विदाव वत्या ॥ वमथायभीव ॥ यथावृसाला ॥ मृच
 व ॥ उवाना ॥ यरुनरुना विरु ॥ गृद वसीति ॥ वथा सूवीय वत्व व ॥ अर्थ

5

भवमशा न निवर्तति यत्र दृष्टाय साः गमगन्तम

ली ३

का ॥ वृद व ॥ मदायथ व ॥ मदासमशान व ॥ मदावन व ॥ विहादियदा ॥ भू
 यिताव अ व ॥ वसीति धी वायु ॥ मदागदी व ॥ य वलि ययविल ॥ यनव ॥
 गृद रु रु उ ॥ रुयिद रु वंद ॥ ०० दं व क म ॥ मरुली रं रं ॥
 तलियुजायाय वरु मि धू व ॥ उजम धून मीन समय दददा ॥ कडवाथन ॥
 थनिवतिवि ॥ १६ महाकालाय शा सनाय कानि ॥ काली कला श्री महा काली तिथि
 गिनी लि म्हा विरुगद द्वा कयीति ॥ कलि कयालध विनी लि ॥ यगी अय रु उ अ ॥
 अ ॥ यय धू यदीय गन्व न ॥ यय सर्व वलियु म्हा वलि गृद ॥ १३ वरवादि १४ वय १५
 स काल सवीथ काम ॥ १६ दानय ॥ ददायय ॥ १७ द्वा १८ द्वा द्वा

१ महादिय छायकया विधि ॥ नकस या त्वास दानियाय थायनायाय मंठ लयागा
 वलि कलश सगुन धनी भवनवलि नागय महादिय धनिथायनयाय धून
 कान भूयस अद्य विय ० याय दंत आय धनी वाय यूजा र्क ठि आयय के थ
 कादि उजमान गुन मंठल धून हाव मि धनय के मंठल धीव के स्नान
 नान गुन ना के विय मंठल विमजने दे गुनी धून हाव कलश गाव
 नाय दथ ॥ य निवा अ न छाय के स्नान समय धनी मंठ
 महादिय छाय के स्नान वाकन २

२ यथन्यास ॥ आय वज्र ल व स द व न के य धमो ह्यादि ॥ अवा या मूय ला वि
 देव यूजा स्नान छालय के ॥ रावना धूययाय निवा अ न छाय वज्र न
 नाय के सना नयाय के यं वगन्न यं वामने कल लं ग वीव सनान याय
 धून हाव मंठल धिने यूजा याय यं मि धु उजम स्नान छाय नैव
 समय धनी मंठ दन्त ॥ यथन्यास आय याय यं धमो ह्यादि ॥ अवा या
 मूय ह्यादि ॥ महादिय रावना ॥ स्नान छालय के ॥ हलदीय धूयना विराय

ज्ञानत्रयैविलुथरु॥ अकेवध॥ धृययाय नीजाउरु न गठया मगकननाय
यैवगन्नन यैवामुननदाय यूजायाय यत सिंधु ऊजम ऊडवाय स्नान न
शय्य नमय धृय मीन दक्षणा आययाय यैधमात्यादि ॥ वलिवियक धन
हाव स्नानगानका मीठलथिजका स्नाननाने खासियथी यकावनन अशा
ययदथे ॥ अशुभीमशुभीगीगाया सिंदरुथागनस्या वृद्धरुधं रुडकाल्य वे
वस्वगमन्ननले हिमवतः तः यवगजाहूः याश्वे जवखंठ कवीयुग जंवुदी

यैवसूवाहूक आयोत्रले यनारु मी नयालदंश वागमत्या वायवाका
वैकंशीविल्यायधिमेकलं शंखिनद्या डरु वकले गावृद्ध गिनीवर्न सुडऊ या
रुमिराग अनेगदेवीलयस्तुनं श्रीधीधीस्वयंरु वं ह्यसंनिधानं ॥ अशुयय
ताविधानारु ॥ श्वरं वृनदा कमायनयाय ॥ हृथकदू धुनि ॥ सीनिकादू या
देवयुजा वृनकाव ॥ चरुसु शंखलेवनदाय ॥ डं सवेरुथागन मागीशगदी
किवन दाल श्वमाधातुगई स्वाहा ॥ हृ वन स्नानमालागाय ॥ गवना

स्नानच्छूलनं ॥ नमः ॥ सिद्धं ह्यवच्छादितं वै अवाच्यं जातं धृतीन्व गान्धर्वा
तुं ॥ कवाच उद्धातिं गन्नाडी निवद्धा ॥ विंशत्यद्वादलवृद्धं हाना मुनश्च कथय धर्म
धीर्त्वं विनैः सत्त्वं त्रैलोक्यायदा विहा समयसत्त्वं विगावा ॥ नमः महानसत्त्वं सद्
द्विजविषया नीतं न कुतस्तथा ॥ धृययाय ॥ निवाञ्ज न ॥ गा उवा ॥ मगरुन गीय
कलशं लीयनदाय ॥ यूजायाय ॥ वं न ॥ सिद्ध उजम स्नानच्छाय ॥ अरुवा लीनं
धृनी मग नैवद्य ॥ दक्षणा नयक ॥ यथा न्यास ॥ ऊययाय ॥ उं नमः सत्त्वं वृद्ध

वा विमलानां अः वृद्धं शवली स्यादा ॥ वहिमं उगर्ग ॥ १०८ ॥ यधमोशाथा ॥
मंरु नवय ॥ यथायतावना ॥ स्नानच्छूलनं ॥ ~~कथायतावना~~ वाच्यनीय
काश्चैव यतार्यं उनिवां समयसत्त्वं वृया विवा ॥ नमः महानसत्त्वं सद् द्विजवि
जानीतं समयसत्त्वं ॥ नमः ॥ अर्क यथा ॥ धृय निवाञ्ज न ॥ गा उवा ॥ मगरु
न गीय ॥ कलशं लीयनदाय ॥ यूजायाय ॥ वं न ॥ सिद्ध उजम स्नान ॥ धृनम
न ॥ नैवद्य ॥ समय ॥ दक्षणा नयक ॥ यथा न्यासयाय ॥ आययाय ॥

ॐ श्रीः वडा कंठ वडा यना कंठ धिनिधु यं स्वाहा ॥ अहि मय गनी १०५ ॥ यध म
गाथा ॥ भरुन यय ॥ दाध वूजा याय ॥ ददणा विय ॥ लव द्वाय स्वमि व कन
ध जा वाय ॥ गि द्वा धि ना मन ॥ निवा उ न ॥ ना उ या ॥ मग रु ना य ॥ य ध म
मं ठ ल थील क ॥ स्नान गान ॥ आ गि र्या विय ॥ मं ठ ल वि स उ न ॥ स ग न य
क ॥ क ल श ॥ गि ध क विय ॥ गु व ना उ ॥ द दणा यूजा ॥ आ गी वा द विय ॥ रु मा
य न ॥ ल वि स उ न क ल श ॥ गि ध म ह ॥ मं ठ ल या ना ॥ ल व द्वा य ॥ व लि क्का

य ॥ द व द य ॥ सा क्रिय जी या न म द्य मा लि द ॥ वूजा इ ॥ स ग न ध जी या र २ ३ व
वूजा ॥ मां दा नि रु ॥ स्नान गान ॥ स ग न न ॥ ~~मं ठ ल वि स उ न~~ ॥ आ रु स
विय स म य वी य ॥ ध गि सा क्रिय जी या न वि धि इ ना ॥ गुरु
ल य थ म्बु स म्बु ॥ ना उ मा म्बु सिल मा न ॥ गु ना य रु ॥ अ रु म्बा या नि र्था ॥ ड रु
म ड न रु क ॥ गु ना वा स म्बु ॥ बा जा धि वा ज ॥ धी धी सि व सि र द व स्य
वि ज य वा द ॥ ॐ द सी रु ना लि रि क ॥ धी धी सि र मू ति न न म वि दा वा न लि

न

न च्यालनियच्छुं मदायावगुर्वव जात्राये मलिवधे न लिखितं यच्छुं नि
 ति ॥ यथादृष्टं तथा विहितं ॥ शुभं ॥ श्रीगुरुमवाक मन्त्रं यथा यकं यान वि
 धानं शुभं ॥ शुभं ॥ यथा यमो त्यादि ॥

[illegible][illegible]

दानेक्षक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

आसनादि

[illegible]

२ अतिमान
२ हिना
२ किञ्चन
२ स्या
२ स्व
२ दा

२ नाडि १ मासि कृत्वा यात

卷二

२ साधनम्

॥ काशी ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२ दिनां वा ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

००

पञ्चमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वावावावावा

卷之五

२३१०

२०
२०

१०

१३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

४॥

६

卷之四

२०५२११२

[illegible]

२ आहूत जयाद। लिखे ०। न

१५॥ द्वा

५३३

२ नवविंशत्या

साङ्गनाथा

रामानाम्

वेङ्कटाचार

२ यादवगार

संज्ञा

मनुनादवा

नवशेखर

२ श्रीमन्नारायण

८ श्रीदत्तस्यार

कोटि मगार

वा १० न १८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सो नृपि मया

आनं प्रसादा

विविधभागा

प्राणिप्राणि

[illegible]

धातुनामदा

कामना निधनया

१८ दिवस या

२४३ तिनागा.

卷之三

मणिनिम्नम्
२०३३

२साधिनोत्तमयाट २
२खाननवय विमयाट २
२विद्या चनरायाट २
२यननिद्याबुद्धिमयाट २
२यागामिनिमयाट २
२॥काकोष्मसयाट २
२धौतमोक्तसयाट २
२धौयूसयाट २
२दानागाननयाट २
२नेवृनिधसयाट २
२नेतिशसयाट २
२किमशसयाट २
२यागानयूनसयैवेनयाट २
२मलाकाननस येवनयाट २
२कनेननिनेदकासयाट २
२काधवागुसयाट २
२धधवागुस येवनयाट २
२लोकास्वननयाट २
२वेत्यनजाऊसयाट २
२वालिननसु येवनयाट २
२मिदध्यायवनस येवनयाट २

२कङ्कगसयाट २
२नेतिमयाट २
२धौवधानाचनयाट २
२कानसयाट २
२नगिरदसयाट २
२नवगामयोसयाट २
२साधोआनिमयाट २
२यावगुसयाट २
२जमाधोनायाट २
२नागाङ्कसयाट २
२कनयिसयाट २
२वेऊस्वननयाट २
२गुवाकालनयाट २
२नभाबुद्धाचनयाट २
२वासवेत्यसयाट २
२धमदंनयाट २
२॥गाओसयाट २
२वेगुसयाट २
२मनाकाननयाट २
२काधयिधिसयाट २
२नेवृनिधसयाट २

निम्नम्
२०३३

२०३३
२०३३

१ ध्यादास भेदनयाद ॥
 १ सवनीस भेदनयाद ॥
 १ कंधा नस भेदनयाद ॥
 १ गानाकठिस भेदनयाद ॥
 १ कालतिस भेदनयाद ॥
 १ दधोवसयाद ॥
 १ रुक्मोरुसयाद ॥
 १ ननरीनसयाद ॥
 १ रुमिनानसयाद ॥
 १ रुभाद्यसिद्धिसयाद ॥
 १ लोवनासयाद ॥
 १ मामकिसयाद ॥
 १ पां रुनासयाद ॥
 १ गानास याद ॥
 १ वधिका गाउसयाद ॥
 १ वहिनीस याद ॥
 १ खासिवलिनव ॥
 १ यधर्क मान ॥
 १ धावलिवर्ध ॥
 १ द्वावगानसयाद ॥

१ नैरु रुजाउसयाद ॥
 १ धोयागयाद ॥
 १ दिगधैरययाद ॥
 १ द्वावधानसयाद ॥
 १ द्वापिनेद्वारसयाद ॥
 १ शाक्विकुनीसयाद ॥
 १ धावलिवेदनयाद ॥
 १ कसवास भेदनयाद ॥
 १ रुद्धनागयागयाद ॥
 १ वृथानायसकृदाद ॥
 १ वेदनयाद ॥
 १ मर्यानायसकृदाद ॥
 १ वेदनयाद ॥
 १ द्वावधानसकृदाद ॥
 १ वेदनयाद ॥
 १ धनिया कृकवयाद ॥

१ रुक्मोरुसयाद ॥

१० मरवा अलि की

१ यी कूठ वयावनि म
१ कया नायम पूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ मया नायम पूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ कायाइ मयूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ इवानवा मयूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ वेड नै पूस याट
१ यासि कसयाट
१ कमदि नाथ सयाट
१ मरध सयाट
१ कि वर सयाट
१ यव दि सयाट
१ कदग सयाट
१ नि सयाट
१ काल सयाट
१ नवगा मया नि सयाट
१ का आया नो सयाट

१ यी कूठ वयावनि म
१ कया नायम पूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ मया नायम पूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ कायाइ मयूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ इवानवा मयूजाइ
१ वगयाट १ हैस की
१ वेड नै पूस याट
१ यासि कसयाट
१ कमदि नाथ सयाट
१ मरध सयाट
१ कि वर सयाट
१ यव दि सयाट
१ कदग सयाट
१ नि सयाट
१ काल सयाट
१ नवगा मया नि सयाट
१ का आया नो सयाट

१ नायसुनई कासियाग

१ वलिग लस १ वगयाट
१ दिद्याभन सयाट
१ बिश सयाट
१ याग नयन स १ वगयाट
१ मरु काल स १ वगयाट
१ शानि यनी नै वग सयाट
१ काथवागु सयाट
१ थथवागु स १ वगयाट
१ लोकास्थ न सयाट
१ वेरु रज र सयाट
१ कालिंद र सयाट
१ जक्षनाग सयाट
१ वथो स १ वगयाट
१ मेरु गीय वने स १ वगयाट
१ सव नी स १ वगयाट
१ कोय न स १ वगयाट
१ काना निस १ वगयाट
१ वरि नी सयाट
१ कावया स सयाट
१ रीज रज र सयाट
१ क नै यी सयाट
१ कानि नै सयाट
१ काग मर सयान

२३।पक्षमदीका

१ लयिदमनकात्तसयाट १
१ सनिद्यनसयाट १
१ दिद्यान्ववसयाट १
१ नागाजनसयाट १
१ किमशानयाट १
१ यागाल्लपुनीसयाट १
१ मदाकोनन १
१ द्वाधवागुसयाट १
१ धधवागुसयाट १
१ लोक्कानवसयाट १
१ वेहयम १
१ कालिदहनानासयाट १
१ वलिनलस १
१ मीइशायवगस १
१ द्वाधवागुसयाट १
१ शवलिन १
१ क्कवानस १
१ नालाकुशिन १
१ नानेकिन १
१ यिच्चावानयाट ५
१ दिगवेरयाट ५
१ तथिकानयाट १
१ धीलेष १
१ सोमसेवान

१ वहिनी नमो न
 १ सीउ र उ उ मयार
 १ योयानयार
 १ छा ययानमयार
 १ कर्त्त यो छा स्ययार
 १ छारि नं छा स्य ययार
 १ क्क नं रति नं यो सयार
 १ शानि युनी सयार
 १ क्क नयानम रं वगयार
 १ वयानाय सयुजाइ
 १ वगयार १ द नु थि क न
 १ वगयार १ द नु थि
 १ क्क नय द स युजाइ
 १ वगयार १ द नु थि
 १ द्द वार स युजाइ
 १ वगयार १ द नु थि
 १ धनि यु द्दि लि क्क यो वलि रं
 ०१ न इ यो १ धनि यु क्क म न
 क्क यो यो यो वि धा न ॥ उर
 १ यो वलि यार

१ शा शा शा स्मि तु स र्ग ज्ञान या
 याद यो वि धा न इ यो
 १ युजाइ ५
 १ जा युजाइ
 १ क्ष जा यु
 १ ना उ न मो ना
 १ वरु नं क यार २
 १ अ इ चाल यार १६
 १ यि व भुज का य ३
 १ कु मानो न्म ज का य
 १ यि व चालि क्क क्क १३
 १ क्क ध कि नी क्क ३
 १ नाग रु ज य ३
 १ नाग य न यु
 १ वि धी न न
 १ उ उ म य १००
 १ धु नि यु १००
 १ क ल श य ३
 १ यि ग ना द ग १००
 १ यो ग न य ४००
 १ नाग य य ३